भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी के 25वें दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का सम्बोधन

दिनांक 04 जुलाई 2023, मंगलवार	समय : 11:00 AM	स्थान : IIT, Guwahati

- माननीय उप-राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी,
- माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व शर्मा जी,
- आईआईटी, गुवाहाटी के निदेशक प्रो. परमेश्वर के अय्यर जी,
- बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (Board of Governors) के चेयरमैन डॉ. राजीव आई मोदी जी,
- बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (Board of Governors) के सदस्यों,
- सीनेट के सदस्यों, संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों,
- उपस्थित विद्यार्थियों, अभिभावकों
- मीडिया से हमारे मित्रों,
- देवियों और सज्जनों

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी के 25वें दीक्षांत समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में सम्मिलित होते हुए मुझे अत्यंत गर्व हो रहा है। इस अवसर पर मैं सभी पदक विजेताओं, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अन्य उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा उनके परिजनों को अपनी ओर से हार्दिक बधाई देता हूँ।

देश में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए आईआईटी में प्रवेश लेना एक सपना होता है। प्रतिष्ठित कैरियर की दृष्टि से उनके लिए आईआईटी एक आदर्श विकल्प होता है। जैसा कि सभी जानते हैं कि ये संस्थान दुनिया में शीर्ष इंजीनियरों को तैयार करने के लिए जाने जाते हैं।

मुझे कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित आईआईटी गुवाहाटी अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं के

माध्यम से औद्योगिक–शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने, स्टार्टअप्स को अपनाने और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इसका यह प्रयास ही इसकी अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

अपने उन्नत अनुसंधान के लिए विश्व स्तर के बुनियादी ढाँचे का निर्माण करने में सक्षम यह संस्थान अपनी स्थापना के 25 वर्षों में ही पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं को काफी हद तक पूरा करने में सक्षम रहा है।

आईआईटी गुवाहाटी ने 'प्रति संकाय अनुसंधान उद्धरण' श्रेणी में विश्व स्तर पर 32वीं रैंक हासिल की और हाल ही में जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 में 364वीं रैंक हासिल की। संस्तान ने 'इंडिया रैंकिंग 2023' में देश के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग संस्थानों में 7वीं रैंक बरकरार रखी है।

इस साल 2023 में 'ओवरऑल' श्रेणी में 9वीं रैंक हासिल की है और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) द्वारा घोषित 'रिसर्च' श्रेणी में 9वीं रैंक हासिल की है। केंद्र सरकार द्वारा आयोजित 'स्वच्छता रैंकिंग' में भी आईआईटी गुवाहाटी को दूसरा स्थान मिला है। हाल ही में, आईआईटी गुवाहाटी को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में हैकर रैंक द्वारा आईटी डेवलपर्स के लिए 2019 में शीर्ष रैंक वाले विश्वविद्यालय के रूप में स्थान दिया गया है।

NEP2020 के कार्यान्वयन के लिए आईआईटी गुवाहाटी द्वारा किए गए प्रयास भी उल्लेखनीय हैं। ऑनलाइन डिग्री कार्यक्रम शुरू करने से, छात्रों के सकल नामांकन अनुपात में काफी वृद्धि होगी, छात्रों के लिए एकाधिक प्रवेश और निकास नीति से लोगों को अपनी नौकरी या घर छोड़े बिना पाठ्यक्रम करने में लाभ होगा, जबकि आईआईटी द्वारा संचालित कक्षाओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

पढ़ाई और डिग्रियां केवल नौकरी के उद्देश्य तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह लोगों में सामाजिक जिम्मेदारी, राष्ट्र और मानवता की सेवा की प्रवृत्ति को पोषित करने वाली होनी चाहिए। यह देश की एकता और अखंडता के सन्देश के प्रसार का माध्यम होनी चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत की नई शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण पर जोर देती है, जिसमें यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है कि छात्र केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करने के बजाय एक कौशल के रूप में विषयों को सीखें।

विद्यार्थी के लिए परीक्षा के अंक और अंकतालिका का उपयोग सीमित होता है, जबकि सही मायने में शिक्षा के द्वारा प्राप्त किया गया ज्ञान और दक्षता ही व्यावहारिक जीवन में काम आती है। साथ ही काम आता है आत्मविश्वास, संकल्पशक्ति और कुछ कर गुजरने का जज्बा। जब कोई व्यक्ति यह तय कर लेता है कि उसे कुछ हासिल करना है, तो उसे उसके मार्ग पर आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। यह है संकल्प शक्ति का प्रमाण।

आज देश की 23 आईआईटीज में एक ऐसा इको-सिस्टम तैयार हो रहा है जिससे यह उम्मीद जगती है कि यहां शिक्षित और प्रशिक्षित होकर हमारे नौजवान 'रोजगार तलाशने वाले' (Job Seeker) नहीं बल्कि 'रोजगार देने वाले' (Job Creator) बनेंगे। कुशल भारत के लिए आवश्यक है कि हमारे युवा विश्वभर के युवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हों। हमने देखा है कि आईआईटीज में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी अपने आत्मविश्वास से इस दिशा में अग्रसर हो रहे हैं।

इस 25वें दीक्षांत समारोह में यह स्वाभाविक है कि छात्रों में अपने शानदार कैरियर और भविष्य की ओर बढ़ने का उत्साह है। जिन

असामान्य परिस्थितियों से आप सभी गुजरे, उसके बावजूद आपने न केवल अपना स्नातक सफलतापूर्वक पूरा किया है, बल्कि शानदार प्रदर्शन किया है और उच्च अंक हासिल किए हैं। मैं डिग्री हासिल करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ और उन्हें भविष्य के कार्यों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

अंत में, मैं एक बार पुनः स्वर्ण एवं रजत पदक विजेताओं तथा विभिन्न उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ। साथ ही इस संस्थान के चेयरमैन, निदेशक, डीन तथा प्राध्यापकगण के प्रति भी सम्मान का भाव व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इन प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षित–प्रशिक्षित कर इस योग्य बनाया कि वे सफलतापूर्वक अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू कर सकें।

धन्यवाद !

जय हिन्द !